भोपाल, गुरुवार
26
जून-2025

दैनिक
पीपुल्स प्रवक्ता

भोपाल, ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

/Peoplespravakta

E-paper www.peoplespravakta.com | वर्ष: 09 | अंक : 73 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 02 रुपए | E-mail Peoplespravakta@gmail.com

सुविचार
कभी हार न मानने की आदत ही, आपकी एक दिन जीत का कारण बनती हैं।

न्यूज ब्रीफ

बीएसएफ जवानों ने बाइक से बरामद किया 2.42 करोड़ का सोना

नई दिल्ली। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 67वीं बटालियन के अंतर्गत लक्ष्मीपुर सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सोने की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने एक तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया, जो बांग्लादेश से भारत में सोने की तस्करी करने का प्रयास कर रहा था। यह सोना बाइक में छिपाया गया था। अभियान के दौरान जवानों ने 1 सोने की छड़ और 16 सोने के बिस्किट जब्त किए, जिनका कुल वजन 2.451 किलोग्राम था। जब्त किए गए सोने का अनुमानित बाजार मूल्य 2,42,94,960 है। खास बात है कि आरोपी को सोने की इतनी बड़ी खेप की तस्करी के लिए महज एक हजार रुपये मिलते थे। सूत्रों के अनुसार, दो दिन पहले बीएसएफ की 67 बटालियन के जवानों को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि लक्ष्मीपुर क्षेत्र से सोने की तस्करी की कोशिश की जा सकती है।

282 भारतीयों को लेकर दिल्ली पहुंचा एक और विशेष विमान

नई दिल्ली। संकटग्रस्त ईरान से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु चलाया है। इस ऑपरेशन के तहत मंगलवार देर रात ईरान के मशहद से एक और विशेष उड़ान 282 भारतीय नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंची। सुरक्षित वतन वापसी पर संकटग्रस्त ईरान से निकलने वाले लोगों के चेहरे खिल उठे। किसी ने भगवान का शुक्रिया अदा किया तो किसी ने भारतीय दूतावास की जमकर सराहना की। ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक ईरान से 2858 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट कर एक और विशेष उड़ान नई दिल्ली पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 25 जून की रात 12 बजकर एक मिनट पर ईरान के मशहद से एक विशेष उड़ान नई दिल्ली पहुंची, जिसमें 282 भारतीय नागरिक सवार थे। उन्होंने बताया कि अब तक ईरान से 2858 भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया जा चुका है। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से नई दिल्ली पहुंचे एक भारतीय नागरिक ने दूतावास और भारत सरकार का आभार जताया। उसने कहा कि मैं स्वदेश लौटकर अच्छा महसूस कर रहा हूं।

शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा भारत के लिए गौरवपूर्ण उपबलब्धि : सिद्धरमैया

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। रूसी अंतरिक्ष यान के जरिये प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के 41 साल बाद किसी भारतीय की यह यात्रा हो रही है। सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर कहा, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन पर अंतरिक्ष में जाते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। उनकी यात्रा भारत के लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है और हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें और एक्स-4 टीम को सुरक्षित और सफल मिशन की शुभकामनाएं देता हूं। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने इसे भारत के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 41 साल बाद तिरंगा अंतरिक्ष में लौट रहा है। एक्सिओम मिशन 4 के मिशन पायलट विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने पर हार्दिक बधाई।

पीएम मोदी बोले- कोई भारतीय नहीं भूलेगा कि कैसे आपातकाल में संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोई भी भारतीय यह कभी नहीं भूलेगा कि आपातकाल के दौरान संविधान की भावना का कैसे उल्लंघन किया गया। उन्होंने संवैधानिक सिद्धांतों को मजबूत करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट कर मोदी ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्याय में से एक है। उन्होंने कहा कि आपातकाल में संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को दबा दिया गया और बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।÷ मोदी सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि आपातकाल की बरसी को ''संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। उन्होंने कहा कि गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। मोदी ने कहा, ''हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नयी ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को पूरा करें।÷ आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, हर विचारधारा से थे, जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया और वह था- भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, ''यह उनका सामूहिक संघर्ष था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार लोकतंत्र बहाल करे। नए सिरे से चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे (कांग्रेस पार्टी) बुरी तरह हार गए। आपातकाल और उस दौरान के अपने अनुभवों पर एक पुस्तक के विमोचन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि यह अवधि उनके लिए सीख देने वाली थी। लोकतंत्र के आदर्शों के लिए मोदी के संघर्ष को रेखांकित करने वाली किताब 'द इमरजेंसी डायरीज-ईयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर' का प्रकाशन ब्लूक्राफ्ट ने किया है। मोदी ने कहा कि यह किताब आपातकाल के दौरान की उनकी यात्रा को बयां करती है और उस समय की कई स्मृतियों को ताजा करती है। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूं जिन्हें आपातकाल के वे काले दिन याद आते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले थे, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपातकाल के समय वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के युवा प्रचारक थे।

शिक्षा समारोह में बिगड़ी उपराष्ट्रपति धनखड़ की तबीयत, मंच पर हुए बेहोश

नैनीताल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को यहां कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान बेहोश हो गए। उपराष्ट्रपति भाषण देने के बाद मंच से नीचे उतरकर दर्शकों में बैठे अपने पूर्व संसदीय सहयोगी महेंद्र सिंह पाल की तरफ बढ़े। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पाल 1989 में लोकसभा सदस्य रह चुके हैं और उस दौरान धनखड़ राजस्थान के झुंझनू से सांसद थे। धनखड़ और पाल एक दूसरे को देखकर भावुक हो गये। एक दूसरे से बात करने के कुछ देर बाद धनखड़ ने पाल को गले लगाया और उनके कंधों पर बेसुध हो गये। कुछ ठीक नहीं होने का अहसास होने पर उपराष्ट्रपति की चिकित्सकीय टीम तुरंत हरकत में आयी और उन्हें होश में लाया गया। धनखड़ जल्द ही ठीक हो गए और राजभवन के लिए रवाना हो गए, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। धनखड़ बुधवार को अपने तीन दिवसीय दौरे पर नैनीताल पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराईं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- प्रदेश में मेट्रो ट्रेन सहित चार ट्रैक पर रेल संचालन से व्यवस्थाओं में क्रांति आई है
- भोपाल के पास रायसेन के उमरिया गांव में बनेगा रेल कोच निर्माण कारखाना
- भोपाल में शीघ्र आरंभ होगी मेट्रो ट्रेन
- भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए जल्द मिलेगी रेल सुविधा
- प्रदेश में संचालित हैं एक लाख करोड़ की रेल परियोजनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्व स्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई हैं। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान है। देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। अब भोपाल में भी अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री मोदी को लोकार्पण के लिए आमंत्रण दिया है। प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। भोपाल के पास रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी दो माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है, यह कारखाना बीएचईएल के बराबर होगा। दिल्ली-नागदा-रतलाम का चार ट्रैक का होना रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास का परिचायक है। जल्द ही भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए रेल सुविधा आरंभ होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

2026 से साल में दो बार होगी 10वीं की बोर्ड परीक्षा

सीबीएसई ने दी मानदंडों को मंजूरी

नई दिल्ली। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करेगा। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण मई में होगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है।

बांग्लादेश : हसीना के बचाव के लिए नियुक्त वकील को न्यायाधिकरण ने हटाया

कोलकाता। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) हसीना के खिलाफ मुकदमा चला रही है। हसीना की करीब 16 साल पुरानी सरकार पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के एक आंदोलन के बाद गिर गई थी। बांग्लादेश के अधिकारियों के अनुसार आईसीटी-बीडी ने हसीना के लिए बचाव पक्ष के वकील के तौर पर नियुक्त अमीनुल गनी टीटू को कार्यमुक्त कर दिया है। एक दिन पहले ही न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री के बचाव के लिए उनकी नियुक्ति की थी। हसीना पर जुलाई से अगस्त 2024 के दौरान देश में नरसंहार का आरोप है। न्यायाधिकरण ने संबंधित घटनाक्रम में आमिर हुसैन को हसीना तथा उनकी कैबिनेट में गृह मंत्री रहे असदुज्जमां खान कमाल के लिए बचाव पक्ष का वकील नियुक्त किया। टीटू ने पिछले साल फेसबुक पर एक टिप्पणी की थी जिस पर हाल में मीडिया में विवाद उठा। टीटू ने संवाददाताओं से बातचीत में स्वीकार किया कि उन्होंने पांच अगस्त, 2024 को हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने से कुछ घंटे पहले अपने फेसबुक पोस्ट में फांसी संबंधी अपनी मांग रखी थी, लेकिन अगर उन्हें उनका काम करने की अनुमति दी जाती तो वह इसे पेशेवर तरीके से करते। हसीना इस समय भारत में हैं और उनकी पार्टी के अधिकतर नेता या तो सलाखों के पीछे हैं या लापता हो गए हैं।

अमित शाह का जनता को संदेश

कहा- जब हद पार करेगी सत्ता तो तानाशाही के खिलाफ उठेगी जनशक्ति

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। शाह ने यह बात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में कही। इंदिरा गांधी सरकार ने 25 जून 1975 को आपातकाल लागू किया था। आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने कहा कि यह दिन सभी को याद दिलाता है कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। गृह मंत्री ने कहा कि 'आपातकाल' कांग्रेस की सत्ता की भूख का 'अन्यायकाल' था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान देशवासियों ने जो पीड़ा और यातना सही, उसे नयी पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' का नाम दिया। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक था। उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई, न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया। शाह ने कहा, देशवासियों ने 'सिंहासन खाली करो' का शंखनाद किया और तानाशाह कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। पिछले साल शाह ने घोषणा की थी कि मोदी सरकार 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाएगी, ताकि इस अवधि के दौरान 'अमानवीय पीड़ा' सहने वालों के 'बड़े योगदान' को याद किया जा सके। जिससे कांग्रेस जैसी तानाशाही ताकतों को उन भयावहताओं को दोहराने से रोका जा सकेगा।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने से मची तबाही, तीन लोग लापता

हिमाचल। कुल्लू जिले के सैंज में जीवा नाला और रेहला बिहाल तथा गड़सा क्षेत्र के शिलागढ़ में बादल फटने की तीन घटनाएं हुई। अधिकारियों ने बताया कि रेहला बिहाल में अपने घरों से सामान निकालने की कोशिश कर रहे तीन लोग बाढ़ में बह गए और लापता हैं। कुल्लू के अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) अश्विनी कुमार ने बताया कि जिले के मनाली और बंजार में भी अचानक बाढ़ आ गई। टीम मौके पर मौजूद है और तलाश अभियान जारी है। मणिकरण घाटी में ब्रह्म गंगा नाले में अचानक बाढ़ आने की भी सूचना मिली है। पानी का स्तर कई घरों तक पहुंच गया है और अगर यह जल्दी कम नहीं हुआ तो इससे नुकसान हो सकता है। कुल्लू में कई जगहों पर भारी बाढ़ के कई वीडियो में तबाही के निशान दिखे हैं। एक वीडियो में एक वाहन कीचड़ भरे पानी में बहता हुआ दिखाई दे रहा है। बंजार के विधायक सुरिंदर शौरी ने कहा, ''सुबह से भारी बारिश हो रही है और मुझे कई कॉल आए हैं कि बारिश के कारण सैंज, तीर्थन और गड़सा में नुकसान हुआ है। मैंने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई करने को कहा है क्योंकि लोग परेशान हैं।'' ब्यास और सतलुज नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इसके अलावा, लाहौल और स्पीति पुलिस ने कहा कि काजा से समदोह तक सड़क भूस्खलन, मलबा गिरने और नालों के उफान पर होने के कारण कई स्थानों पर अवरूद्ध हो गई है।

कार्यक्रम | **सीएम योगी का दावा, कहा- गाजीपुर अब बदल रहा है**

अब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है माफिया मुक्त गाजीपुर : योगी आदित्यनाथ

गाजीपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि 'माफिया मुक्त' हो चुका गाजीपुर जिला अब विकास की प्रक्रिया के साथ आधुनिक मूलभूत अवसंरचना का लाभ प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि गाजीपुर जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण जिले का इतिहास रामायण काल और उससे भी प्राचीन है। उन्होंने कहा कि बीच के कालखंड में इस जनपद को पहचान के संकट से गुजरना पड़ा था लेकिन आज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज यहां की पहचान बन गई है। उन्होंने कहा, गाजीपुर 'माफिया मुक्त' जनपद बना है। विकास की प्रक्रिया के साथ गाजीपुर अब आधुनिक आधारभूत ढांचे का लाभ प्राप्त कर रहा है। इसमें पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को शक्तिनगर तथा गंगा एक्सप्रेसवे को मिर्जापुर, भदोही, वाराणसी, चंदौली होते हुए गाजीपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक मिलाने की कार्रवाई आगे बढ़ने जा रही है। आधुनिक आधारभूत ढांचा जनपद गाजीपुर को नई पहचान दिलाएगा। आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर गाजीपुर में अंधऊ चौकिया बाईपास के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि इससे विकास बढ़ेगा और यातायात की समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि चितनाथ घाट व कलेक्टर घाट से गाजीपुर से जुड़े कॉरिडोर निर्माण से संबंधित प्रस्ताव का विस्तृत परियोजना रिपोर्ट मंगाई गई है। उन्होंने कहा कि इस पर भी आगे कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि विकास का सिलसिला अनवरत चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि जनपद अच्छी दिशा में आगे बढ़ रहा है और राजस्व वादों का गुण-दोष के आधार पर तेजी से निस्तारण भी हुआ है। मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां 1100 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं या कुछ निर्माणाधीन भी हैं। उन्होंने कहा कि जलजीवन मिशन के तहत यहां युद्ध स्तर पर कार्य चल रहे हैं।

ईरान पर हमलों को लेकर ट्रंप के खिलाफ पेश महाभियोग प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने संसदीय मंजूरी के बगैर ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग चलाने के प्रयासों के खिलाफ मंगलवार को बढ़-चढ़कर मतदान किया। इस संबंध में पेश प्रस्ताव के विरोध में 344 और पक्ष में 79 वोट पड़े। टेक्सास से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद एल ग्रीन ने यह प्रस्ताव पेश किया, जिसपर संक्षिप्त चर्चा हुई और उनकी पार्टी में ही विभाजन हो गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। ग्रीन ने मतदान से पहले कहा, ''मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि किसी भी व्यक्ति को अमेरिकी संसद से परामर्श किए बिना 30 करोड़ लोगों को युद्ध में झोंकने का अधिकार नहीं होनी चाहिए। मैं समझता हूं कि या तो संविधान सार्थक साबित होगा या निरर्थक बन जाएगा। ट्रंप पर महाभियोग की यह पहली कोशिश नहीं है, लेकिन यह दिखाता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सदस्य विशेष रूप से ईरान के परमाणु केंद्रों पर अचानक हमले के बाद से उनके प्रशासन से असहज हैं, जो पश्चिम एशिया के मामलों में एक जोखिम भरा हस्तक्षेप है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने ग्रीन की सीधे तौर पर तो आलोचना नहीं की, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि उनका ध्यान दूसरे मुद्दों पर है। महाभियोग के मामलों में आमतौर पर पार्टी नेतृत्व की ओर से किसी खास तरीके से वोट करने का दबाव नहीं होता। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक कॉकस के अध्यक्ष पीट एगुइलर ने आगामी दिनों संसद में पारित होने वाले ट्रंप के बड़े कर छूट पैकेज का जिक्र करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि इससे अलग किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करना ध्यान भटकाने वाला होगा, डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप के राष्ट्रपति रहते उनके खिलाफ दो बार महाभियोग प्रस्ताव पेश कर चुकी है। 2019 में रूस के सैन्य आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन को दी जाने वाली धनराशि रोकने के लिए उनके खिलाफ पहली बार महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था।